**प्रेस विज्ञप्ति**

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
# पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने प्रगतिशील किसानों से जानकारी ली

पन्तनगर। 25 अक्टूबर 2024। विश्वविद्यालय में कृषि महाविद्यालय के कृषि संचार विभाग द्वारा मैनेज, हैदराबाद के सहयोग से 22–25 अक्टूबर 2024 तक 'खाद्य प्रणाली में पोषण–संवेदनशील कृषि को एकीकृत करना' विषय पर चार–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि प्रणालियों में पोषण–संवेदनशील प्रथाओं को अपनाने के महत्व पर जागरूकता बढ़ाना और खाद्य सुरक्षा के साथ पोषण सुधार को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम के तीसरे दिन 24 अक्टूबर 2024 को प्रतिभागियों ने बाजपुर क्षेत्र का दौरा किया, जहाँ उन्होंने प्रगतिशील किसान श्री राजविंदर राज के फार्म का निरीक्षण कराया गया। श्री राजविंदर का सेब का बगीचा विभिन्न किस्मों के सेब, आलूबुखारा, आड़ू और सफेद चंदन के पेड़ों से सुसज्जित है, जो उनकी नवाचारी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। इस दौरे में किसानों को श्री राजविंदर द्वारा अपनाए गए आधुनिक कृषि तकनीकों और विविधता आधारित खेती के फायदों की जानकारी मिली। इसके बाद प्रतिभागियों ने बाजपुर में ही युवा एग्रीप्रेन्योर श्री जतिन सिंघल के ड्रैगन फ्रूट फार्म का भ्रमण किया। श्री सिंघल ने ड्रैगन फ्रूट की खेती को एक उभरते हुए कृषि व्यापार के रूप में विकसित किया है, जो उच्च पोषण मूल्य प्रदान करता है और किसानों के लिए आर्थिक रूप से लाभकारी फसल है। उनकी इस पहल से प्रतिभागियों को पोषण–संवेदनशील कृषि में नवाचारों को अपनाने की प्रेरणा मिली। इस दौरे ने प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को पोषण–संवेदनशील कृषि के विभिन्न पहलुओं पर समझ विकसित करने और इसे अपनी कृषि प्रथाओं में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। यह भ्रमण डा. अर्पिता शर्मा कांडपाल, सहायक प्राध्यापिका, कृषि संचार विभाग द्वारा समन्वित किया गया था। फार्म भ्रमण के दौरान श्री सोमनाथ, डा. विनीता सिंह, सुश्री प्रियंका पटेल, श्री अरविंद और अन्य संस्थानों और राज्यों से आए सभी प्रशिक्षणार्थी के साथ ही पंतनगर विश्वविद्यालय की पीएचडी छात्राएं पूजा गोस्वामी और आकांक्षा जोशी भी उपस्थित थीं।

*प्रशिक्षणार्थी प्रगतिशील कृषक के फार्म पर जानकारी लेते।*

**निदेशक संचार**